मध्य रेल

मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय
संरक्षा शाखा, पुणे

संख्या. पुणे / सं. / संरक्षा परिपत्र / 38 / 10 -11

दि. 14.09..2010

सभी संबंधित
पुणे मंडल

संरक्षा परिपत्र संख्या 06 / 2010-11

विषय – रोलिंग इन एवं रोलिंग आउट परीक्षण ।

गाड़ियो के परिचालन में संरक्षा की दृष्टि से रोलिंग इन एवं रौंलिंग आउट परीक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है ।

क. रोलिंग इन परीक्षण

रोलिंग इन परीक्षण के दौरान टायर पर फ्लैट प्लेसेस, हाट बाक्स, ब्रेक बाइंडिंग, टूटी हुई बोल्सटर स्प्रिंग, टूटी हुई डैश पाटस्प्रिंग, टूटा हुआ बी. एस. एस. हैन्गर, टूटा हुआ इक्वलाइजिंग स्टेराड, टूटा हुआ ट्रस बार हैण्गर तथा अन्य लटके हुए पुर्जों का पता लगाना चाहिए तथा गाड़ी के रूकने पर यथोचित कार्यवाही करनी चाहिए ।

सवारी एवं मालडिब्बा कर्मचारियों को प्लेटफार्म के आखरी छोर पर लाइन के दोनो तरफ पोजिशन लेनी चाहिए, जिस पर गाड़ी ली जाती है । रात के समय फ्लड लाईट लाइन के दोनों तरफ चालू अवस्था में होनी चाहिए ।

गाड़ी परीक्षण करनेवाले कर्मचारियों को निम्न बिन्दुओं पर ध्यान देना चाहिए ।

i)	कोई भी असाधारण आवाज
ii)	हाट बाक्स
iii)	बी एस एस हैण्गर / हैण्गर ब्लाक टूटा हुआ/ गायब
iv)	टूटा हुआ इक्वालाइजिंग स्टे राड
v)	ब्रेक बाइंडिग
vi)	टायर पर फ्लैट प्लेसेस
vii)	एक्सल बाक्स फेस प्लेट क्षतिग्रस्त / गायब होना
viii)	ट्रस बार हैण्गर, हैण्गर पिन टूटा हुआ
ix.	कोई भी पुर्जे लटके हुए ।

ख. रोलिंग आउट परीक्षण

गाड़ी चालू होने के पहले सवारी एवं मालडिब्बा कर्मचारियों को प्लेटफार्म के आखरी छोर पर लाइन के दोनों तरफ पोजिशन लेनी चाहिए । सवारी डिब्बों के ब्रेक बाइडिंग का अवलोकन करना चाहिए । असाधारण आवाज आने पर चालक / लोको पायलट का ध्यानाकर्षित करना चाहिए एवं उपचारार्थ कार्यवाही करनी चाहिए ।

(सु. रविचंद्रन)
मंडल संरक्षा अधिकारी / पुणे